

बिहार गजट

असाधारण अंक बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

(सं0 पटना 114)

19 माघ 1934 (शO) पटना, शुक्रवार, 8 फरवरी 2013

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचना

4 जनवरी 2013

सं0 निग/सारा—4—(पथ) आरोप—107/10—109—श्री रामायण महतो, तत्कालीन कनीय अभियंता, पथ प्रमंडल रामनगर सम्प्रति सहायक अभियंता, (अवकाश रक्षित) अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना द्वारा पथ प्रमंडल रामनगर के अंतर्गत रामनगर बाजार से लौरिया के बीच कराये गये पी0सी0सी0 कार्य में बरती गई अनियमितता के लिये आरोप प्रपन्न "क" गठित कर संकल्प ज्ञापांक—14964 (एस) अनु0 दिनांक 26.10.2010 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गई। संचालन पदाधिकारी ने अपने जाँच प्रतिवेदन ज्ञापांक—366 दिनांक 28.02.2011 में यद्यपि श्री महतो के विरूद्ध गठित आरोप को प्रमाणित नहीं होने का मन्तव्य दिया, परन्तु संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के विभागीय समीक्षोपरान्त उक्त पथ की जाँच उड़नदस्ता प्रमण्डल सं0—4 से करायी गयी एंव प्राप्त जाँच प्रतिवेदन में पथ की औसत चौड़ाई 5.5 मीटर के स्थान पर 5.42 मीटर पायी गई, फलस्वरूप प्रावधानित चौड़ाई से कम चौड़ाई का कार्य कराये जाने के कारण रूपये 21315.00 की हुई अधिक भुगतान के लिए श्री महतो से विभागीय पत्रांक—5076 (एस) अनु0 दिनांक 11.05.12 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की गई। श्री महतो ने अपने पत्रांक—शून्य दिनांक 29.05.12 द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर में अपने विरूद्ध लगाये गये आरोप से इंकार किया गया।

श्री महतो से प्राप्त द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर के विभागीय / तकनीकी समीक्षोपरान्त पाया गया कि इस प्रकरण में किसी प्रकार की वित्तीय क्षति नहीं हुई बिल्क कार्य कराने में तत्परता नहीं बरतने के कारण कराये गये कार्य की औसत चौड़ाई कम तथा औसत मोटाई प्रावधान से अधिक हो गई ।

तद्आलोक में कार्य निष्पादन में बरती गई लापरवाही के लिये श्री रामायण महतो, तत्कालीन कनीय अभियंता, पथ प्रमंडल रामनगर सम्प्रति सहायक अभियंता, (अवकाश रक्षित) अभियंता प्रमुख का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पटना, निम्न दण्ड संसूचित किया जाता है :--

(1) निन्दन।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से, (ह0) अस्पष्ट, सरकार के उप-सचिव (निगरानी)।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित। बिहार गजट (असाधारण) 114-571+10-डी0टी0पी0। Website: http://egazette.bih.nic.in